संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिंदी पत्रिका "**प्रवाहिनी**" का 20वां संस्करण प्रबुद्ध पाठकों को समर्पित करते हुए हमें अपार हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। निदेशक महोदय के उल्लेखनीय मागदर्शन एवं समस्त प्रबुद्ध लेखकों तथा आप सभी महानुभावों के सहयोग व समर्थन के फलस्वरूप ही आज हम प्रस्तुत अंक को प्रकाशित करने में सफल हो पाए हैं।

इस अंक के प्रकाशन में संस्थान ही नहीं अपितु संस्थानेतर व्यक्तियों ने भी भिन्न–भिन्न विधाओं पर अपने महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेख देकर हिंदी लेखन में अपनी रूचि को अभिव्यक्त किया है और इससे राजभाषा हिंदी का मान–सम्मान व गौरव बढ़ा है। हम इन सभी लेखकों का हृदय से आभार प्रकट करते हुए शुभकामनाएं देते हैं।

आशा है कि "**प्रवाहिनी**" का यह अंक हर वर्ग के पाठकों को रोचक तथा उपयोगी लगेगा। पत्रिका की साज–सज्जा तथा सामग्री आदि में अपेक्षित सुधारों के लिए सुझावों का स्वागत है।

(संपादक मंडल)